



खाटू श्याम आरती



ॐ जय श्रीश्याम हरे, प्रभु जय श्रीश्याम हरे।
निज भक्तन के तुमने पूरण काम करे ॥

हरि ॐ जय श्रीश्याम हरे... ॥

गल पुष्पों की माला, सिर पर मुकुट धरे।
पीत बसन पीताम्बर, कुण्डल कर्ण पड़े ॥

हरि ॐ जय श्रीश्याम हरे... ॥

रत्नसिंहासन राजत, सेवक भक्त खड़े।
खेवत धूप अग्नि पर, दीपक ज्योति जरे ॥

हरि ॐ जय श्रीश्याम हरे... ॥

मोदक खीर चूरमा, सुवर्ण थाल भरे।
सेवक भोग लगावत, सिर पर चंवर ढुरे ॥

हरि ॐ जय श्रीश्याम हरे... ॥

झांझ, नागारा और घड़ियावल, शंख मृदंग घुरे।
भक्त आरती गावें, जय जयकार करे ॥

हरि ॐ जय श्रीश्याम हरे... ॥

जो ध्यावे फल पावे, सब दुःख से उबरे।
सेवक जब निज मुख से, श्रीश्याम श्याम उचरे ॥

हरि ॐ जय श्रीश्याम हरे... ॥

श्रीश्याम बिहारीजी की आरती, जो कोई नर गावे।
गावत दासमनोहर, मन वांछित फल पावे॥

हरि ॐ जय श्रीश्याम हरे... ॥

1

सौजन्य से:

धर्मयात्रा (DharmYaatra)

वेबसाइट: <https://dharmyaatra.in/>

व्हाट्सएप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🙏, धार्मिक कथाएं ॐ, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🏰, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘, घरेलू नुस्खे 🍲, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🪔, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं 🌀 (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

[व्हाट्सएप ग्रुप](#)

[व्हाट्सएप चैनल](#)

[फेसबुक पेज](#)

[इंस्टाग्राम प्रोफाइल](#)

धर्मयात्रा

DharmYaatra